जल्लीकट्टू

[स्रोत:द हिंदू](#)

तमिलनाडु सरकार ने **भारतीय पशु कल्याण बोर्ड** के मार्गदर्शन में वर्ष 2025 में सुरक्षित [जल्लीकट्टू](#) **आयोजनों के लिये एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)** जारी की है।

- आयोजनों को **तमिलनाडु पशु क्रूरता निवारण (जल्लीकट्टू का आयोजन) नियम, 2017 की धारा 3(2)** का पालन करना होगा, जिसके तहत **केवल अनुमति के साथ अधिसूचित स्थानों पर ही जल्लीकट्टू की अनुमति दी जाएगी,** बैलों की सुरक्षा और क्रूरता की रोकथाम सुनिश्चित की जाएगी।
- 2,000 वर्ष से अधिक पुराना, जल्लीकट्टू, तमिलनाडु का एक पारंपरिक खेल है जो मूल रूप से **उपयुक्त वर** का चयन करने के लिये आयोजित किया जाता था।
  - यह खेल भारत के एक जातीय समूह **अयार** से जुड़ा हुआ है, और इसका नाम **"जल्ली" (सिक्के) और "कट्टू" (बंधा हुआ)** से निकला है।
  - यह **मट्टू पोंगल दिवस** (पोंगल का तीसरा दिन) पर मनाया जाता है, जहाँ एक बैल को छोड़ दिया जाता है, और प्रतिभागी उसके **सींग पर बंधे सिक्के जीतने के लिये उसे वश में करते हैं।**
  - इस खेल में **पुलिकुलम या कंगायम नस्ल के बैलों का उपयोग** किया जाता है, जो प्रजनन और बाज़ार में बिक्री के लिये अत्यधिक मूल्यवान हैं।
- जल्लीकट्टू को दर्शाती एक मुहर [सिंधु घाटी स्थल](#) पर मिली थी, जिसे राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में संरक्षित किया गया है। मदुरै के निकट एक 1500 वर्ष पुरानी गुफा चित्रकला में भी इस खेल को दर्शाया गया है।
- जल्लीकट्टू के विभिन्न संस्करणों, जैसे **वादी मंजुविरट्टू, वेलि विरट्टू और वटम मंजुविरट्टू** में बैल को पकड़ने की अवधि या तय की जाने वाली दूरी के संबंध में अलग-अलग नियम हैं।

//

और पढ़ें: [जल्लीकट्टू](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jallikattu-7